भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 1400

सोमवार, 09 फरवरी, 2026/20 माघ, 1947 (शक)

राष्ट्रीय कैरियर सेवा (एनसीएस) प्लेटफ़ॉर्म और रोज़गार सुविधा

1400. **श्री अनन्त नायक:**
श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी:
श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी:
श्री अनुराग शर्मा:
श्री विजय बघेल:
श्री तेजस्वी सूर्या:
श्री पी. पी. चौधरी:
श्रीमती स्मिता उदय वाघ:
श्री खगेन मुर्मु:

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पंजीकृत नौकरी चाहने वालों, शामिल किए गए नियोक्ताओं और संकलित रिक्तियों के संदर्भ में वर्ष 2025 के दौरान राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल के अंतर्गत प्राप्त प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(ख) देश भर में, राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार, विशेषरूप से राजस्थान में संचालित राष्ट्रीय करियर सेवा केंद्रों की संख्या और उक्त केंद्रों के माध्यम से प्रदान की जाने वाली परामर्श, मार्गदर्शन, कौशल मानचित्रण और प्लेसमेंट सेवाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) रोजगार मिलान को बढ़ाने के लिए एनसीएस को कौशल पहलों, राज्य रोजगार कार्यालयों और डिजिटल जॉब पोर्टल्स के साथ एकीकृत करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं, उनका ब्यौरा क्या है;

(घ) युवाओं, महिलाओं और वंचित वर्गों तक पहुँच और उनकी भागीदारी में सुधार के लिए सरकार द्वारा अपनाए गए उपायों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार, विशेषरूप से राजस्थान और जलगांव लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार ने राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) के अंतर्गत प्लेसमेंट परिणामों और सेवा प्रभावशीलता का आकलन किया है और यदि हाँ, तो मुख्य निष्कर्षों और उसके बाद की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)

(क) से (ङ): राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल देश भर के सभी हितधारकों को निजी और सरकारी क्षेत्रों की नौकरियों, ऑनलाइन और ऑफलाइन रोजगार मेलों की जानकारी, नौकरी खोज और मिलान, करियर परामर्श, व्यावसायिक मार्गदर्शन, कौशल विकास पाठ्यक्रमों

की जानकारी, कौशल/प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि करियर से संबंधित सेवाएं डिजिटल प्लेटफॉर्म [www.ncs.gov.in] के माध्यम से प्रदान करने के लिए एक वन-स्टॉप समाधान है।

वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान दिनांक 20.01.2026 तक, एनसीएस पोर्टल पर 78.86 लाख से अधिक नौकरी चाहने वाले और 12.36 लाख से अधिक नियोक्ता पंजीकृत हैं। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान एनसीएस पोर्टल पर 3.43 करोड़ से अधिक रिक्तियां जुटाई गई हैं।

एनसीएस परियोजना में अन्य बातों के साथ-साथ करियर संबंधी सेवाएं प्रदान करने के लिए राज्यों/संस्थाओं के सहयोग से आदर्श करियर केन्द्रों (एमसीसी) की स्थापना की भी परिकल्पना की गई है। अब तक सरकार ने देश भर में 407 आदर्श करियर केंद्रों को मंजूरी दी है। राजस्थान राज्य सहित आदर्श करियर केंद्रों की संख्या का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण https://www.ncs.gov.in/User_Manuals/List_of_Model_Career_Centers.pdf पर देखा जा सकता है।

इसके अलावा, एनसीएस पोर्टल पर एक मॉड्यूल अनुमोदित करियर परामर्शदाताओं द्वारा करियर परामर्श और मार्गदर्शन सेवाएं प्रदान करने की सुविधा प्रदान करता है। एनसीएस पोर्टल पर दिनांक 20.01.2026 तक 1180 से अधिक करियर परामर्शदाता पंजीकृत हो चुके हैं और अब तक देशभर में 55 लाख से अधिक ऑनलाइन/ऑफलाइन करियर मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए जा चुके हैं।

एनसीएस पोर्टल, रोजगार चाहने वालों की रोजगार क्षमता, डिजिटल और करियर कौशल को बढ़ाने और युवाओं को आवश्यक रोजगार योग्य कौशल की एक श्रृंखला से सशक्त और सुसज्जित बनाने के लिए अन्य बातों के साथ-साथ ऑनलाइन रोजगार क्षमता वृद्धि कार्यक्रम, डिजिटल कौशल वृद्धि कार्यक्रम और स्व-गतिशील करियर कौशल कार्यक्रम कराता है। एनसीएस पोर्टल, स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच) के साथ एकीकृत है जिसे एक ऑनलाइन प्रशिक्षण मंच के माध्यम से, रोजगार और उद्यमशीलता अवसरों हेतु व्यक्तियों की स्किलिंग, रि-स्किलिंग और अप-स्किलिंग के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन और विकसित किया गया है। एनसीएस पोर्टल को एसआईडीएच के साथ एकीकृत करने से एसआईडीएच पर रोजगार चाहने वाले कुशल व्यक्तियों के लिए एनसीएस पोर्टल का लाभ उठाने और एनसीएस के रोजगार चाहने वालों के लिए एसआईडीएच की कौशल सेवाओं का लाभ उठाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

एनसीएस पोर्टल के संबंध में जागरूकता और पहुंच बढ़ाने के लिए एनसीएस पोर्टल पर सेवाओं की उपलब्धता और रिक्तियों के बारे में नियमित रूप से सोशल मीडिया पोस्ट जारी किए जाते हैं। एनसीएस संबंधी नवीनतम विकास और गतिविधियों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एनसीएस मासिक ई-न्यूजलेटर जारी किए जाते हैं। इसके अलावा, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में स्थापित आदर्श करियर केंद्र नियमित रूप से हितधारकों के लिए विभिन्न आउटरीच गतिविधि जैसे कार्यशालाएं, जागरूकता/अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन करते हैं।

*****